रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री महावीर प्रसाद) (क) और (ख) 115–116 गोरखपुर-बम्बई बी.टी. एक्स-प्रेस तथा 933/934 लखनऊ बम्बई वी. टी. के रसोईयान के ठेके पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने के बाद दिये गये हैं। 115/116 के लिए ठेका यथोचित सत्यापन करने के पश्चात् वास्तविक कामगारों की सहकारी समिति को दिया गया है सहकारी समिति के तीन सदस्य अनुसूचित जाति से सम्बन्धित हैं। कुछ मामलों में रसोई-यान-वार तथा अन्य मामलों में गाड़ीवार ठेके आबंटित करने के लिए रेलों पर कोई प्रतिबन्ध नहीं है।

(ग) जी हां।

(घ) जी नहीं।

(ङ) जी नहीं।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में नदियों पर पुलों का निर्माण

2350. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

श्री राम जेठमलानी :

क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के पूर्वोत्तर भाग में कुछ नदियों पर पुल बनाये जाने की कुछ परियोजनाएं सरकार के विचाराधीन हैं;

(ख) यदि हां, तो उनके नाम क्या हैं और निर्माण कार्य कब तक आरम्भ हो जाने और पूरा कर लिये जाने की संभावना है;

(ग) इन परियोजनाओं पर कुल कितना व्यय होने की संभावना है; और

(घ) इस प्रयोजन के लिए सरकार किस प्रकार धन जुटाने का विचार रखती है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) राष्ट्रीय राजमार्गों पर पुलों के नाम और स्थान अनुपत्र में दिए गए हैं। [देखिए परिशिष्ट 149, अनुपत्र संख्या–132 और 133] इन पुलों का बनना शुरू होने और समापन की संभावित तिथि तथा संभावित खर्च के बारे में अभी बता पाना संभव नहीं है।

(घ) वार्षिक योजना परिव्ययों से।

Discussion on Vedic Mathematics by Rashtriya Ved Vidya Pratishthan

2351. SHRI PRAMOD MAHAJAN:
SHRI SHANKER SINH VAGHELA:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether a Round Table Discussion on Vedic Mathematics was held recently in Delhi under the auspices of Rashtriya Ved Vidya Pratishthan;

(b) what have been the findings in the said discussion about the use of 'Elementary Vedic Mathematics Methods' in the Arithmatical exercises in lower classes, desirability of research projects on the applicability of Vedic Mathematics in higher mathematics and development of 'pattern recognizing and the resulting Intutive Thinking' in children while learning Vedic Mathematics methods;

(c) what were the recommendations of the Pratishthan in this regard;

(d) the expected time-schedule for taking action therein; and

(e) what is the response of N.C.E.R.T. thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI L. P. SHAHI): (a) Yes, Sir.

(b) The findings of the discussion are:

(i) Methods of Vedic Mathematics are simple and quick, and suitable books should be prepared by NCERT which can be used as enrichment material;

(ii) theoretical and experimental investigations are necessary before a decision can be taken for introduction of Vedic Mathematics in the curriculum at various stages of studies. A view was also expressed that "pattern recognition" which is encouraged by Vedic Mathematics is conducive to the Development of intution.

(c) The Pratishthan has not made any recommendations so far.

(d) and (e) These questions do not arise in view of the reply to part (c) above.

अध्यापकों से आठ घंटे काम लिए जाने के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का परिपत्र

2352. **श्री अजीत जोगी:** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विश्व विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा हाल ही में दिल्ली विश्वविद्यालय को इस आशय का परिपत्र जारी किया गया है कि शिक्षकों से दिन में कम से कम 8 घंटे कार्य लिया जाना चाहिये ;

(ख) यदि हां, तो क्या शिक्षकों द्वारा औपचारिक या अनौपचारिक रूप से इसका विरोध किया गया है; और

(ग) क्या सरकार इस निर्णय को वापस लेने के आवश्यक निर्देश विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को देने का विचार रखती है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही) : (क) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जनवरी 1984 में सभी विश्वविद्यालयों को विश्वविद्यालयों/कालेजों में किसी शैक्षिक वर्ष में वास्तविक शिक्षण दिवसों की न्यूनतम संख्या, विश्वविद्यालयों में परीक्षा सुधार के न्यूनतम कार्यक्रम तथा विश्व विद्यालयों और कालेजों में शिक्षकों के कार्यभार के संबंध में दिशा निर्देश परिचालित किए थे। इन दिशा निर्देशों में अन्य बातों के साथ-साथ यह उल्लेख किया गया है कि एक शिक्षक के लिए विभिन्न कार्यकलापों का कार्यभार 40 घंटे प्रति सप्ताह से कम नहीं होना चाहिए।

इन दिशा-निर्देशों को बाद में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (कला, मानविकी, ललित कला, संगीत, सामाजिक विज्ञान, वाणिज्य और विज्ञान संकायों में औपचारिक शिक्षा के माध्यम से प्रथम डिग्री प्रदान करने के लिए अनुदेशों के न्यूनतम मानक) विनियम, 1985 में निगमित किया गया था जो 1-6-86 को लागू हुए थे। आयोग द्वारा इस मामले पर हाल ही में पुन: विचार किया गया था और इन दिशा-निर्देशों की एक प्रति नवम्बर, 1988 में विश्वविद्यालयों को कार्यान्वयन हेतु भेजी गई थी।

(ख) सरकार को इस संबंध में शिक्षकों के किसी विरोध के बारे में जानकारी नहीं है।

(ग) जी, नहीं।

Dr. P. L. Bhatnagar's observations on Vedic Mathematics Sutras

2353. SHRI SHANKER SINH VAGHELA

SHRI KAILASH PATI MISHRA:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether the Rashtriya Ved, Vidya Pratishthan, during its recent meet on